जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 200 प्रभात कोटा, सोमवार 5 मई, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

रवि पुष्प नक्षत्र में बद्रीनाथ धाम के कपाट खुले

श्री बदरीनाथ धाम, 04 मई। रविवार सुबह छः बजे रवि पुष्य नक्षत्र में उत्तराखंड के चमोली जनपद स्थित बाबा बद्रीनाथ मन्दिर के कपाट वैदिक मंत्रोच्चारण, जय बदरी विशाल के उद्घोषों और सेना के बैंड की मधुर और लहरियों के मध्य खोल दिए गए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित देश, विदेश से आए लगभग पंद्रह हजार श्रद्धालु इस पवित्र और ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बने। इस दौरान भक्तों पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई।

मुख्यमंत्री धामी ने बाबा बद्रीनाथ मन्दिर के कपाट खुलने पर पहली पूजा

- सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पूजा अर्चना की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से की। उन्होंने इस मंदिर परिसर में स्थित लक्ष्मी मंदिर, गणेश मंदिर, आदि गुरु शंकराचार्य गद्दी सहित सभी मंदिरों में पूजा अर्चना की।

मुख्यमंत्री ने तीर्थयात्रियों और श्रद्धालुओं का अभिवादन किया और तीर्थयात्रियों से यात्रा व्यवस्थाओं का फीडबैक भी लिया। उन्होंने देवभूमि उत्तराखंड आने वाले सभी श्रद्धालुओं से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गांधी ने 1984 के ऑपरेशन ब्लू स्टार को गलती माना

अमेरिका की ब्राउन यूनिवर्सिटी में एक सिख युवक के सवाल के जवाब में राहुल ने यह बात कही

- राहुल गांधी ने कहा कि 80 के दशक में जो कुछ हुआ, वह गलत था। कांग्रेस के इतिहास की जो भी गलतियाँ हैं, मैं उनकी जिम्मेदारी लेने को तैयार हूँ।
- भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालविया ने कहा कि अब विदेश में भी राहुल गांधी की आलोचना हो रही है।

बॉस्टन (अमेरिका), 04 मई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पहली बार सार्वजनिक मंच से माना है कि 1984 में हुआ ऑपरेशन ब्लू स्टार एक गलती थी। अमेरिका की ब्राउन यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम के दौरान सिख युवक द्वारा पूछे गए सवाल पर राहुल ने कहा कि 80 के दशक में कांग्रेस से जो भी गलतियां हुईं, उनकी जिम्मेदारी लेने के लिए वे तैयार हैं।

इस बातचीत का वीडियो रविवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसके बाद भारतीय राजनीति में हलचल मच गई। भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि अब राहुल गांधी की आलोचना सिर्फ भारत में नहीं, विदेशों में भी हो रही है।

जानकारी के अनुसार, कार्यक्रम में मौजूद एक सिख युवक ने राहुल से सवाल करते हुए कहा, "आप सिखों की बात करते हैं, लेकिन डर भी पैदा करते हैं कि भाजपा क्या करेगी। हमें अभिव्यक्ति की आज़ादी चाहिए, जो कांग्रेस के शासन में नहीं थी। आनंदपुर साहिब रेजोल्यूशन दलितों के अधिकारों की बात करता है, लेकिन कांग्रेस ने उसे अलगाववादी घोषित कर दिया।" इस पर राहुल गांधी ने कहा, मुझे नहीं लगता कि सिख किसी चीज़ से डरते हैं। जो कुछ 80 के दशक में हुआ, वह गलत था। मैं तब पार्टी में नहीं था, लेकिन कांग्रेस के इतिहास की जो भी गलतियां हैं, मैं उनकी जिम्मेदारी लेने को तैयार हूं।

गौरतलब है कि 1984 में इंदिरा गांधी सरकार ने पंजाब में आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन ब्लू स्टार चलाया था, जिसमें भिंडरावाले की मौत हुई और अकाल तख्त को भारी नुकसान पहुंचा। इसके बाद इंदिरा गांधी की हत्या कर दी गई, जिसके बाद देशभर में सिख विरोधी दंगे भड़क उठे। सरकारी आंकड़ों के अनुसार इन दंगों में 3,000 से अधिक सिख मारे गए थे।

शिरडी के सांई बाबा मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई, 04 मई। देश के बड़े मंदिरों में से एक, शिरडी के साईं बाबा मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। ज्ञातव्य है कि बीते दिनों लगातार बम से जुड़ी धमकियां देखने को मिल रही हैं। अब शिरडी के साईं बाबा मंदिर को बम से उड़ाने

- पूरे परिसर की तलाशी में पुलिस को कुछ नहीं मिला। पुलिस ने आस-पास सुरक्षा बढ़ायी है।

की धमकी ई-मेल से मिली है। धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। आनन-फानन में भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और पूरे परिसर की तलाशी ली गई। लेकिन मौके पर कोई भी संदिग्ध वस्तु या बम बरामद नहीं हुआ। इस मंदिर में लाखों की संख्या में श्रद्धालु देशभर से पहुंचते हैं। मंदिर ट्रस्ट की मेल पर धमकी भेजने वाले आरोपी ने कहा था कि वह मंदिर को बम से उड़ाने जा रहा है। मंदिर के पास कुछ भी नहीं बरामद होने के बाद सुरक्षा बलों ने राहत की सांस ली है। हालांकि इसके बावजूद आस-पास सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

भारत ने चिनाब नदी से पाकिस्तान जाने वाला पानी रोका

सूत्रों के अनुसार, झेलम की सहायक नदी पर बने किशनगंगा डैम से भी शीघ्र पानी रोका जायेगा

- पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि रद्द कर दी थी। अब चिनाब के बगलिहार बांध से पाकिस्तान को जल का प्रवाह रोकना इस दिशा में बड़ा कदम है।
- आतंकवाद के खिलाफ जल संसाधनों के जरिए दबाव बनाने की भारत की नीति पाकिस्तान को दिए गए कड़े जवाब के रूप में देखी जाती है।

पहलगाम/नई दिल्ली, 04 मई। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले में 26 निर्दोष लोगों की मौत के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित करते हुए पाकिस्तान की ओर बहने वाले पानी पर नियंत्रण की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। सूत्रों के अनुसार, भारत ने चिनाब नदी पर बने बगलिहार बांध से जल प्रवाह को रोक दिया है और जल्द ही झेलम की सहायक नदी पर स्थित किशनगंगा डैम पर भी इसी तरह की कार्रवाई की योजना बनाई जा रही है।

मामले से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि बगलिहार डैम (जम्मू के रामबन जिले में) और किशनगंगा डैम, (उत्तर कश्मीर) भारत को जल प्रवाह के समय को नियंत्रित करने की सामर्थ्य प्रदान करते हैं।

भारत ने दशकों पुरानी सिंधु जल संधि के निलंबन के बाद यह निर्णय लिया है। भारत और पाकिस्तान के बीच वर्ष 1960 में विश्व बैंक की मध्यस्थता से सिंधु नदी प्रणाली के जल बंटवारे पर एक संधि हुई।

पाकिस्तान ने पहले भी बगलिहार डैम पर विश्व बैंक से मध्यस्थता की मांग की थी, जो दोनों देशों के बीच विवाद का विषय रहा है। पाकिस्तान भी किशनगंगा डैम को लेकर कानूनी और कूटनीतिक आपत्ति करता रहा है, खासकर नीलम नदी पर इसके प्रभाव को लेकर। भारत की इस नीति को आतंकवाद के खिलाफ एक कड़े जवाब के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें वह जल संसाधनों के जरिए भी दबाव बनाने की नीति अपना रहा है।

भारत और पाकिस्तान के बीच बागलिहार बांध को लेकर भी लंबे समय तक विवाद रहा था। वर्ल्ड बैंक के हस्तक्षेप के बाद मामला हल हुआ। वहीं, किशनगंगा डैम को लेकर भी रणनीतिक और कानूनी मसला था। इसके चलते नीलम नदी पर असर पड़ रहा था। नीलम, झेलम की सहायक नदी है।

बरेली में कार ने चार को कुचला, तीन की मौत

बरेली, 04 मई। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के आनंदपुर गांव में सड़क किनारे बारात का काम कर रहे चार किशोरों को तेजी से आ रही एक कार ने टक्कर मार कर कुचल दिया जिससे तीन की मौत हो गई जबकि चौथे किशोर की हालत नाजुक बनी हुई है।

अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्रा ने रविवार को बताया कि शनिवार आधी रात बाद एक कार ने चार किशोरों को रौंद दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। मामले में लापरवाही को लेकर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। कार चालक मौके से फरार

- मृतक किशोर बैंड में काम करते थे। पुलिस ने कार बरामद कर ली, चालक की तलाश जारी है।

हो गया था। मिश्र ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल से दुर्घटनाग्रस्त कार को बरामद कर लिया है। चालक की तलाश की जा रही है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शाही थाने के गांव आनंदपुर में बीती रात हुई सड़क दुर्घटना में शाही के गांव बकैनिया धीरपुर निवासी 3किशोरों की मौत हो गई और चौथा गंभीर रूप से घायल हो गया। शिकार सभी किशोर आनंदपुर स्थित शिवा बैंड में काम करते थे। घायल संजीव की हालत भी नाजुक बनी हुई है।

'देश की ओर आँख उठाने वालों को मुँहतोड़ जवाब देंगे'

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देशवासियों को आश्वस्त किया कि वे जो चाहते हैं, वह अवश्य होगा

नई दिल्ली, 04 मई। भारत और पाकिस्तान के मध्य पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही तनाव अपने चरम पर है और इस बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बड़ा बयान दिया है। दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान राजनाथ सिंह ने कहा कि दुश्मन को उसी की भाषा में जवाब मिलेगा। साथ ही रक्षा मंत्री ने कहा, मेरा दायित्व है कि अपनी सेना के साथ मिलकर देश की ओर आंख उठाने वालों को मुंहतोड़ जवाब दूं। इस दौरान उन्होंने देशवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आप जो चाहते हैं, वह अवश्य होगा।

- राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा मंत्री के रूप में मेरा दायित्व है कि सैनिकों के साथ मिलकर देश की सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करूँ।

दिल्ली में आयोजित संस्कृति जागरण महोत्सव को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, "एक राष्ट्र के रूप में हमारे वीर सैनिकों ने हमेशा भारत के भौतिक स्वरूप की रक्षा की है, वहीं दूसरी ओर हमारे ऋषियों और मनीषियों ने भारत के आध्यात्मिक स्वरूप की रक्षा की है। एक ओर जहां हमारे सैनिक रणभूमि पर लड़ते हैं, वहीं दूसरी ओर हमारे संत जीवनभूमि पर लड़ते हैं।

एक रक्षा मंत्री के रूप में मेरा दायित्व है कि मैं अपने सैनिकों के साथ मिलकर देश की सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करूं और मेरा दायित्व है कि अपनी सेना के साथ मिलकर देश की ओर आंख उठाने वालों को मुंहतोड़ जवाब दूं। आप सभी हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यशैली और दृढ़ ता को जानते हैं।"

रूसी मिसाइल से भारतीय सेना की क्षमता बढ़ी

नई दिल्ली, 04 मई। भारत के दुश्मनों की अब खैर नहीं है। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के साथ बढ़े तनाव के बीच भारतीय सेना की क्षमता में इजाफा हुआ है।

सेना को रूसी मूल की इग्ला एस मिसाइलें मिली हैं। कंधे पर रखकर वार करने वाली यह मिसाइल दुश्मन को नेस्तनाबूद कर देगी। इसके अलावा 90 और मिसाइल खरीदने की तैयारी हो रही है।

कम दूरी की वायु सुरक्षा प्रणालियां

- ये मिसाइलें सीमाओं पर दुश्मन के लड़ाकू विमानों, हेलिकॉप्टरों और ड्रोन के खतरों से निपटने में मदद करेंगी।

भारतीय सेना की वायु रक्षा क्षेत्र में अहम योगदान देती हैं। रक्षा सूत्रों ने बताया कि इग्ला-एस वायु रक्षा मिसाइलों की नई आपूर्ति कुछ सप्ताह पहले भारतीय सेना को हुई है।

इन मिसाइलों को सीमाओं पर दुश्मन के लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों और ड्रोन से खतरे से निपटने के लिए सुरक्षा बलों को दिया जा रहा है।

सुरक्षा बलों ने आपातकालीन खरीद शक्तियों के तहत विभिन्न अनुबंध किए हैं। करीब 260 करोड़ रुपये के इस अनुबंध से पश्चिमी क्षेत्र में वायु रक्षा बलों की ताकत बढ़ने की उम्मीद है।

बाप पार्टी विधायक जयकृष्ण पटेल 20 लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार

भ्रष्टाचार निरोधक विभाग ने पहली बार किसी विधायक को रिश्वत लेते ट्रैप किया

जयपुर, 04 मई। राजस्थान में एंटी करप्शन ब्यूरो (ए.सी.बी.) ने पहली बार एक विधायक को बीस लाख रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

एसीबी ने राजधानी जयपुर में रविवार को एमएलए क्वार्टर परिसर में बांसवाड़ा जिले के बागीदौरा विधानसभा क्षेत्र से विधायक जय कृष्ण पटेल को विधानसभा में उनके द्वारा लगाये गये प्रश्नों को वापस लेने की एवज में परिवादी से 20 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। पटेल भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के विधायक हैं।

एसीबी के महानिदेशक डा. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने प्रेस कांफ्रेंस में यह जानकारी देते हुए बताया कि परिवादी ने गत चार अप्रैल को एसीबी में शिकायत की कि उनके पास माइन्स हैं और विधायक ने माइन्स से संबंधित विधानसभा में प्रश्न लगाया है और अब उसे वापस लेने के लिए उनसे रिश्वत की मांग कर रहे हैं। रिश्वत की मांग की शुरुआत तो दस करोड़ रुपए से हुई लेकिन बाद में टुकड़ों में ढ ाई करोड़ रुपए देना तय हुआ। एसीबी ने इसका सत्यापन कराया और पता चला कि आरोपी विधायक ने बांसवाड़ा में एक लाख रुपए पहले ही ले लिए थे।

- एसीबी के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने कहा कि विधायक ने परिवादी की खान से संबंधित प्रश्न विधानसभा में लगाया और उसे वापस लेने के लिये रिश्वत की मांग की।
- रविवार को सुबह विधायक ने परिवादी को एमएलए क्वार्टर बुलाया और 20 लाख की रिश्वत प्राप्त की।

इसके बाद शनिवार रात को फिर बात हुई और रिश्वत की पहली किश्त के रुप में 20 लाख रुपए जयपुर में देना तय हुआ। हालांकि, आरोपी यह रिश्वत बांसवाड़ा में लेना चाह रहा था, लेकिन परिवादी ने कहा कि वह यह पैसे जयपुर में ही देगा। इस पर रविवार सुबह विधायक पटेल ने परिवादी को फोन किया और अपने एमएलए क्वार्टर पर परिवादी से 20 लाख रुपए की रिश्वत प्राप्त कर ली। विधायक ने रिश्वत की राशि वाला बैग अपने आदमी को पकड़ा दिया, जो बैग लेकर फरार हो गया। बैग देने से पहले विधायक ने पैसों को छुआ।

मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी टीम ने, विधायक के हाथ धुलाने पर उन पर रंग आ जाने और अन्य सबूतों के आधार पर पटेल को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि विधायक से पूछताछ जारी हैं। उन्होंने बताया कि विधायक ने माइन्स से संबंधित तीन प्रश्न लगाये और परिवादी को बताया कि विधानसभा में ये प्रश्न लगाये हैं और पैसे देने पर यह प्रश्न वापस ले लिए जायेंगे। मामला ढ ाई करोड़ रुपए में तय हुआ और टुकड़ों में पैसे लेकर जब ढ ाई करोड़ पूरे हो जायेंगे तो प्रश्न वापस ले लिए जायेंगे।

मेहरड़ा ने बताया कि रिश्वत के रुप में लिए गए बीस लाख रुपए बरामद नहीं हुए हैं लेकिन उनके पास पुख्ता सबूत हैं और क्योंकि आरोपी एक विधायक हैं, इसलिए विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को इस मामले की जानकारी देकर तथा उनकी सहमति के बाद पटेल को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि एमएलए क्वार्टर एवं आस पास के सीसीटीवी कैमरों को भी खंगाला जायेगा। उन्होंने बताया कि दिलचस्प बात यह है कि विधायक ने अपने क्षेत्र से हटकर सैकड़ों किलोमीटर दूर दूसरे क्षेत्र में स्थित माइन्स के बारे में विधानसभा में प्रश्न लगाया है।

एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में एसीबी की विभिन्न टीमों द्वारा आरोपी के ठिकानों पर तलाशी अभियान जारी है। मामले में एसीबी द्वारा आय से अधिक सम्पत्ति अर्जित करने के प्रकरण में अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा।

भारत में एयरशिप प्लेटफार्म का सफल उड़ान परीक्षण

नयी दिल्ली, 04 मई। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान की सीमाओं पर बढ़ ते तनाव के बीच वायु सेना प्रमुख एयर चीफ, मार्शल ए पी सिंह ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी की कल प्रधानमंत्री के साथ हुई मुलाकात के बाद एयर चीफ मार्शल सिंह की रविवार को मोदी के साथ मुलाकात को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

- भविष्य में उच्च ऊंचाई वाली एयरशिप उड़ानों के लिये मॉडल का विकास किया जाएगा। यह सिस्टम भारत की पृथ्वी अवलोकन और खुफिया निगरानी व टोही क्षमताओं को अद्वितीय रूप से बढ़ायेगा।

वायु सेना प्रमुख और प्रधानमंत्री की मुलाकात के दौरान क्या बातचीत हुई इस बारे में आधिकारिक रूप से कोई जानकारी नहीं दी गई है। माना जा रहा है कि एयर चीफ मार्शल ने प्रधानमंत्री को वायु सेना की तैयारी और रणनीति के बारे में जानकारी दी है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद से ही समूचे रक्षा तंत्र और सुरक्षा एजेंसियों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प.बंगाल के राज्यपाल ने मुर्शिदाबाद में केन्द्रीय बल लगाने की सिफारिश की

राज्यपाल ने केन्द्रीय मंत्रालय को, मुर्शिदाबाद पर गोपनीय विशेष रिपोर्ट भेजी है

कोलकाता, 04 मई। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने सीमावर्ती जिले मुर्शिदाबाद पर केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजी एक विशेष रिपोर्ट में केंद्रीय सशस्त्र बलों की तैनाती की सिफारिश की है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि राज्यपाल ने पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती जिले मुर्शिदाबाद में केंद्रीय सशस्त्र बलों की तैनाती की सिफारिश की है। उन्होंने वक्फ बिल विरोधी हिंसा के बाद अपनी यात्रा के आधार पर गृह मंत्रालय को सौंपी एक विशेष रिपोर्ट में यह सिफारिश की। इस हिंसा में तीन लोगों की मौत हो गई थी, कई दुकानें और घर लूटे गए, पुलिस वाहन जलाए गए और सैकड़ों लोगों को अपने घरों से भागने के लिए मजबूर होना पड़ा।

राजभवन के सूत्रों ने बताया कि राज्यपाल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को मुर्शिदाबाद के अपने दौरे की और दंगा पीड़ितों के तथा हरगोबिंद दास (72) और उनके बेटे चंदन दास (41) के परिजनों के साथ बातचीत के आधार पर विशेष रिपोर्ट दी है। इन दोनों को भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला था।

- राज भवन सूत्रों के अनुसार, राज्यपाल ने मालदा व मुर्शिदाबाद के अपने दौरे तथा पीड़ितों व उनके परिजनों से मुलाकात के आधार पर अपना आकलन व सिफारिश विशेष रिपोर्ट में की है।

बोस ने 11 और 12 अप्रैल को मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा के एक सप्ताह बाद 18-19 अप्रैल को मालदा और मुर्शिदाबाद का दौरा किया था।

राज्यपाल ने अपने दौरे के बाद संवाददाताओं से कहा कि लोगों ने मुर्शिदाबाद के सभी संवेदनशील क्षेत्रों में स्थायी सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) शिविरों की तैनाती की मांग की है।उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री को भेजी अपनी रिपोर्ट में कहा, राज्य में राजनीतिक हिंसा के इतिहास और मुर्शिदाबाद हिंसा के राज्य के अन्य जिलों पर पड़ने वाले प्रभाव को देखते हुए मैं सुझाव देना चाहूंगा कि भारत सरकार न केवल मौजूदा स्थिति पर अंकुश लगाने के लिए बल्कि कानून के शासन में लोगों का विश्वास जगाने के लिए संवैधानिक विकल्पों पर विचार करे।राज्यपाल ने प्रभावित लोगों की मांग पर भी गौर किया है कि संवेदनशील क्षेत्रों में बीएसएफ की स्थायी तैनाती की जाए क्योंकि जिले की अंतरराष्ट्रीय सीमा बंगलादेश से लगती है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट में आज वक्फ कानून पर सुनवाई

नई दिल्ली, 04 मई। सुप्रीम कोर्ट कल संशोधित वक्फ कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करेगा।

कुछ हफ्तों पहले केंद्र सरकार ने इस कानून के दो विवादास्पद प्रावधानों पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी थी।

केंद्र ने 17 को सुप्रीम कोर्ट को आश्वस्त किया था

- केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को आश्वस्त किया था कि 5 मई तक किसी वक्फ सम्पत्ति को अधिसूचित नहीं करेगा।

कि वह पांच मई तक न ही किसी वक्फ संपत्ति को अधिसूचित करेगा और न ही केंद्रीय वक्फ परिषद और बोर्डों में कोई नियुक्ति करेगा।

सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच (चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार, जस्टिस केवी विश्वनाथन) पांच मई को याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। इनमें एआईएमआईएमके प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की याचिका भी शामिल है।